ईसाइयों के समारोहों में उपस्थित होने का हुक्म

حكم حضور احتفالات النصارى

[**हिन्दी** – Hindi – هندي]

इफ्ता एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

اللجنة الدائمة للبحوث العلمية والإفتاء

अनुवादः **अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह**

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

2014 - 1436

IslamHouse.com

بسم الله الرحمن الرحيم

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) केवल अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत प्रदान कर दे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

ईसाइयों के समारोहों में उपस्थित होने का हुक्म

प्रश्नः

अर्जेंटीना के राष्टरीय समारोह, जो उनके चर्चों में आयोजित किए जाते हैं जैसे स्वतंत्रता दिवस – और अरब ईसाई समारोह जैसे ईस्टर का पर्व – तो इसमें कुछ ईसाई पादरियों का स्वागत करने का हुक्म है।

उत्तरः

मुसलमानों की ओर से उनका आयोजन करना, या उनमें उपस्थिति होना, या उनमें ईसाइयों के साथ भाग लेना जायज़ नहीं है ; क्योंकि इसके अंदर गुनाह (पाप) और सर्कशी पर सहयोग करना पाया जाता है, और अल्लाह तआला ने इससे मना फरमाया है।

और अल्लाह तआला ही तौफीक़ प्रदान करने वाला है, तथा अल्लाह हमारे ईश्दूत मुहम्मद, उनकी संतान और उनके साथियों पर दया एवं शांति अवतरित करे।'' अंत हुआ।

इफता और वैज्ञानिक अनुसंधान की स्थायी समिति

शैख अब्दुल अज़ीज़ बिन अब्दुल्लाह बिन बाज (अध्यक्ष), शैख अब्दुर्रज़्ज़ाक़ अफीफी (उपाध्यक्ष), शैख अब्दुल्लाह बिन गुदैयान (सदस्य), शैख अब्दुल्लाह बिन क़ऊद (सदस्य)

''फतावा स्थायी समिति'' द्वितीय संग्रह (2/76).